



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 183]

नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 5, 2011/भाद्र 14, 1933

No. 183]

NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 5, 2011/BHADRA 14, 1933

भारतीय रिज़र्व बैंक
(सरकारी और बैंक लेखा विभाग)
(केन्द्रीय कार्यालय)
अधिसूचना

मुम्बई, 26 अगस्त, 2011

सहायक सामान्य खाता बही : पात्रता मानदंड और परिचालन दिशानिर्देश

सं. डीजीबीए.सी.डीडी.एच/1369/11.22.001/2011-12.—सरकारी प्रतिभूति अधिनियम, 2006 (2006 का 38) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय रिज़र्व बैंक (रिज़र्व बैंक) सहायक सामान्य लेजर (एसजीएल) खाता खोलने एवं रखने के लिए शर्तों को, जो अब से लागू होंगी, निर्दिष्ट करता है।

I. पात्रता मानदण्ड :

क. निम्नलिखित संस्थाएं रिज़र्व बैंक में एसजीएल खाता खोलने एवं रखने हेतु पात्र हैं :

- (1) (अ) लाईसेंस धारक बैंक।
(आ) प्राथमिक व्यापारी।
(इ) भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 45-I (सी) (ii) के अनुसार यथा परिभाषित वित्तीय संस्थाएं।

बशर्ते कि उपरोक्त संस्थाएं रिज़र्व बैंक के संबंधित नियामक विभाग से इस आशय का अनापत्ति प्रमाण-पत्र हासिल करें कि वे उपरोक्त पात्रता मानदण्ड (जो भी लागू हो) को पूरा करती हैं एवं रिज़र्व बैंक को कोई विनियामक/पर्यवेक्षी असुविधा नहीं है।

- (2) केन्द्र सरकार।
- (3) राज्य सरकारें।
- (4) बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण द्वारा विनियमित बीमा कम्पनियां।
- (5) भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड द्वारा विनियमित पारस्परिक निधियां।
- (6) सरकारी प्रतिभूतियों में ₹ 500 करोड़ या उससे अधिक राशि का निवेश रखने वाली भविष्य एवं पेंशन निधियां।
- (7) रिज़र्व बैंक के पूर्व अनुमोदन पर विदेशी केन्द्रीय बैंक।
- (8) पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण द्वारा विनियमित पेंशन निधि प्रबंधक।

ख. इसके अलावा, निम्नलिखित संस्थाएं रिज़र्व बैंक में एसजीएल खाता खोल एवं रख सकती हैं:

(अ) नेशनल सिक्यूरिटीज़ डिपॉज़िटरी लिमिटेड (एनएसडीएल)।

(आ) सेंट्रल डिपॉज़िटरी सर्विसेस (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल)।

(इ) स्टॉक होल्डिंग्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसएचसीआईएल)।

(ई) रिज़र्व बैंक द्वारा समय-समय पर यथा अनुमोदित अन्य संस्थाएं।

II. एसजीएल खाता खोलने एवं रखने के लिए शर्तें:

1. कोई पात्र संस्था एक ही एसजीएल खाता खोलेगी एवं बनाए रखेगी, जब तक कि उसे रिज़र्व बैंक द्वारा कोई अतिरिक्त एसजीएल खाता खोलने की विशेष अनुमति नहीं दी जाती।
2. कोई भी एसजीएल खातेदार किसी ग्राहक की सहायक सामान्य खाता बही (सीएसजीएल) खातेदार के पास ग्राहक का खाता खोलने के लिए पात्र नहीं होगा। तथापि, कोई एसजीएल खातेदार निक्षेपागार सहभागी के माध्यम से निक्षेपागार में अमूर्तीकृत खाता रिज़र्व बैंक द्वारा अनुमोदित प्रयोजनों के लिए खोल एवं रख सकता है। साथ ही, रिज़र्व बैंक के पास एसजीएल खाता रखनेवाला खातेदार नियामक / मार्जिन के प्रयोजन के लिए कतिपय संस्थाओं के पास ग्राहकों का खाता खोल सकता है, बशर्ते कि रिज़र्व बैंक से इस प्रयोजन हेतु विशिष्ट अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया हो।
3. एक एसजीएल खाते से दूसरे एसजीएल/सीएसजीएल खाते में सरकारी प्रतिभूतियों के मूल्य मुक्त अंतरण (वीएफटी) की अनुमति रिज़र्व बैंक द्वारा मामला-दर-मामले के आधार पर, निक्षेपगारों के साथ स्वयं के डिमैट खाते में प्रतिभूतियों के अंतरण अथवा मार्जिन अपेक्षा संबंधी प्रतिभूतियों के अंतरण अथवा भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड के संपार्श्वीकृत उधार और ऋणदायी परिचालनों अथवा समय समय पर रिज़र्व बैंक द्वारा यथा अनुमोदित अन्य किसी प्रयोजनों के लिए, दी जा सकती है।
4. एसजीएल खातेदार भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड द्वारा समय-समय पर यथा अनुमोदित किसी निर्दिष्ट निपटान बैंक के पास एक निपटान खाता रखेगा ताकि रिज़र्व बैंक एसजीएल खाते से संबंधित लेनदेनों की निधियों का निपटान कर सके। इस प्रयोजन के लिए एसजीएल खातेदार को रिज़र्व बैंक में एक चालू खाता या आरटीजीएस निपटान

खाता रखने की अनुमति दी जा सकती है, यदि इसके लिए मौजूदा नीति के अनुसार रिज़र्व बैंक का विशेष अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया हो।

5. एसजीएल खाता खोलने वाली संस्था एक आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बांड एवं रिज़र्व बैंक द्वारा समय-समय पर लिए गये निर्णयानुसार अन्य दस्तावेज़, जिनमें संबंधित नियामक का अनुमोदन भी शामिल है, भी प्रस्तुत करेगी।
6. रिज़र्व बैंक द्वारा समय-समय पर लिए जाने वाले निर्णयानुसार रिज़र्व बैंक के लोक ऋण कार्यालयों में एसजीएल खाता खोला जा सकता है।
7. खातेदारों द्वारा एसजीएल खाता बंद किए जाने के लिए, उन्हें खाता बंद करने के कारण एवं संबंधित एसजीएल खाते में धारित सरकारी प्रतिभूतियों के संबंध में रिज़र्व बैंक द्वारा अपेक्षित कार्रवाई, यदि कोई हो, का उल्लेख करते हुए आवेदन पत्र प्रस्तुत करना होगा।
8. संबद्ध संस्था द्वारा एसजीएल सुविधा का किसी भी प्रकार का दुरुपयोग सरकारी प्रतिभूति अधिनियम, 2006 (2006 का 38) की धारा 27 के अंतर्गत इस प्रकार के खाते को धारण करने के लिए अपात्र घोषित करने के अतिरिक्त, इस अधिनियम की धारा 30 के प्रावधानों के अंतर्गत दंडनीय होगा।
9. यह निर्देश रिज़र्व बैंक द्वारा जारी अधिसूचना सं. 237 दिनांक दिसंबर 4, 2009 (भारत का राजपत्र - असाधारण - भाग III - खंड 4 में प्रकाशित) के द्वारा जारी निर्देशों के अधिक्रमण में जारी किए जा रहे हैं।

बी. महापात्रा, कार्यपालक निदेशक
[विज्ञापन III/4/38/11/असा.]

RESERVE BANK OF INDIA
(Department of Government and Bank Accounts)
(Central Office)
NOTIFICATION

Mumbai, the 26th August, 2011

Subsidiary General Ledger Account : Eligibility Criteria and Operational Guidelines

No. DGBA.C.DD.H/1369/11.22.001/2011-12.—In exercise of the powers conferred by Section 4 of the Government Securities Act, 2006 (38 of 2006), the Reserve Bank of India (the Bank) hereby specifies the conditions applicable henceforth for opening and maintenance of a Subsidiary General Ledger (SGL) account.

I. Eligibility Criteria:

A. The entities mentioned below are eligible to open and maintain an SGL account with the Bank:

- 1) (a) A licensed bank
- (b) A Primary Dealer
- (c) A Financial Institution as defined in terms of Section 45-I (c) (ii) of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934).

Provided that the above entities obtain a no-objection certificate from the concerned regulatory department of the Bank, to the effect that they meet the eligibility criteria (as applicable) and that the Bank has no regulatory/supervisory discomfort.

- 2) Central Government.
- 3) State Governments.
- 4) Insurance Companies regulated by the Insurance Regulatory and Development Authority.
- 5) Mutual Funds regulated by the Securities & Exchange Board of India.
- 6) Provident and Pension Funds having investment of ₹ 500 crore or more in Government securities.
- 7) Foreign Central Banks with prior approval of the Bank.
- 8) Pension Fund Managers regulated by the Pension Fund Regulatory and Development Authority.

B. In addition, the entities mentioned below can open and maintain an SGL account with the Bank.

- (a) National Securities Depository Limited (NSDL).
- (b) Central Depository Services (India) Limited (CDSL).
- (c) Stock Holding Corporation of India Limited (SHCIL).
- (d) Such other entities as may be approved by the Bank from time to time.

II. Conditions for opening & maintenance of the SGL account:

1. An eligible entity shall open and maintain only one SGL account, unless specifically allowed by the Bank to open an additional SGL account.
2. An SGL account holder shall not be eligible to open a constituent account with any Constituents' Subsidiary General Ledger (CSGL) account holder. An SGL account holder can, however, open and maintain a dematerialized account with the Depositories through a Depository Participant (DP) for purposes as may be approved by the Bank. Further, an SGL account holder with the Bank can open a constituent account with certain entities for regulatory/margin purpose subject to obtaining specific approval from the Bank for the purpose.

3. Value Free Transfer (VFT) of Government securities from one SGL account to another SGL/CSGL account may be allowed by the Bank, on a case to case basis, towards transfer of securities to own demat account with the depositories or transfer of securities pertaining to margin requirement or the Collateralised Borrowing & Lending Operations (CBLO) of the Clearing Corporation of India Ltd. (CCIL) or for any other purpose as may be approved by the Bank from time to time.
4. An SGL account holder shall maintain a settlement account with any designated settlement bank, as approved by the CCIL from time to time, to enable the Bank to settle the funds in respect of transactions pertaining to the SGL account. An SGL account holder may be allowed to maintain a current account or RTGS settlement account with the Bank for this purpose subject to obtaining specific approval of the Bank as per the extant policy.
5. The entity opening an SGL account shall submit an application form, indemnity bond and such other documents, including approval of the concerned regulator, as may be decided by the Bank from time to time.
6. An SGL account can be opened at its Public Debt Offices, as may be decided by the Bank from time to time.
7. An SGL account can be closed by the account holders by submitting a request letter mentioning therein the reason(s) for closure and the action, if any, required to be taken by the Bank in respect of the Government securities held in such SGL account.
8. Any misuse of the SGL facility by the entity concerned, will make the entity liable to be debarred from holding of such account as mentioned in Section 27 of the Government Securities Act, 2006 (38 of 2006), in addition to inviting the penalties as provided in Section 30 of the Act *ibid*.
9. These guidelines are issued in supersession of the earlier guidelines issued by the Bank vide Notification No. 237 dated December 04, 2009 (published in The Gazette of India – Extraordinary – Part III – Section 4).

B. MAHAPATRA, Executive Director
[ADVT III/4/38/11/Exty.]

3363 GI/11-2

अधिसूचना

मुम्बई, 26 अगस्त, 2011

ग्राहकों की सहायक सामान्य खाता बही : पात्रता मानदण्ड और परिचालन दिशानिर्देश

सं. डीजीबीए.सी.डीडी.एच/1369/11.22.001/2011-12.—सरकारी प्रतिभूति अधिनियम, 2006 (2006 का 38) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय रिज़र्व बैंक (रिज़र्व बैंक) ग्राहकों का सहायक सामान्य लेजर (सीएसजीएल) खाता खोलने और रखने की शर्तों, जो अब से लागू होंगी एवं सीएसजीएल खातेदारों द्वारा अपने ग्राहकों के हित की रक्षा करने के लिए रखे जाने वाले अभिलेखों एवं अपनाई जाने वाली कार्यविधि को एतद्वारा विनिर्दिष्ट करता है।

I. पात्रता मानदंड:

क. निम्नलिखित संस्थाएं रिज़र्व बैंक में अपने ग्राहकों अर्थात् श्रेष्ठ प्रतिभूति खातेदारों (जीएच) की तरफ से सीएसजीएल खाता खोलने एवं रखने के लिए पात्र हैं:

1. अ) लाईसेंस धारक बैंक । अनुसूचित राज्य सहकारी बैंकों (रा.स.बैं) के मामले में ₹ 100.00 करोड़ या अधिक की निवल संपत्ति धारक अनुसूचित बैंक होने की अतिरिक्त शर्त भी लागू होगी ।

आ) प्राथमिक व्यापारी

बशर्ते कि उपरोक्त संस्थाएं रिज़र्व बैंक के संबंधित नियामक विभाग से इस आशय का अनापत्ति प्रमाण-पत्र हासिल करें कि वे पात्रता मानदंड (जो भी लागू हो) को पूरा करती हैं एवं रिज़र्व बैंक को कोई विनियामक/पर्यवेक्षी असुविधा नहीं है।

ख. इसके अतिरिक्त, निम्नलिखित संस्थाओं को रिज़र्व बैंक में सीएसजीएल खाता खोलने एवं रखने की अनुमति है:

- (अ) नेशनल सिक्यूरिटीज़ डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल)।
- (आ) सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेस (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल)।
- (इ) भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड (सीसीआईएल) या रिज़र्व बैंक द्वारा यथा अनुमोदित अन्य समाशोधन निगम।
- (ई) स्टॉक होल्डिंग्स कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसएचसीआईएल)।
- (उ) राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)।
- (ऊ) रिज़र्व बैंक द्वारा समय समय पर यथा अनुमोदित अन्य संस्थाएं।

II. सीएसजीएल खातेदारों द्वारा अनुपालन किए जाने हेतु परिचालन दिशानिर्देश:

1. कोई भी पात्र संस्था रिज़र्व बैंक के द्वारा अतिरिक्त सीएसजीएल खाता खोलने के लिए विशिष्ट तौर पर अनुमति प्रदान करने की स्थिति को छोड़कर, केवल एक सीएसजीएल खाता खोलेगी एवं बनाए रखेगी।
2. सीएसजीएल खातेदार यह सुनिश्चित करेंगे कि जिन ग्राहकों के लिए श्रेष्ठ प्रतिभूति खातें खोले/रखे गए हैं, वे सरकार द्वारा जारी सामान्य ऋण अधिसूचनाओं एवं विशिष्ट ऋण अधिसूचनाओं के अनुसार सरकारी प्रतिभूतियां धारित करने के लिए पात्रता की शर्तें पूरी करते हैं।
3. सीएसजीएल खातेदार, जोकि रिज़र्व बैंक द्वारा विनियमित है, अपने श्रेष्ठ प्रतिभूति खातेदारों के संबंध में रिज़र्व बैंक के बैंकिंग परिचालन एवं विकास विभाग/शहरी बैंक विभाग/ग्रामीण आयोजना एवं ऋण विभाग द्वारा जारी समय-समय पर यथा लागू 'अपने ग्राहक को जानिए' (केवाईसी) संबंधी दिशानिर्देशों का पालन करेंगे। अन्य सीएसजीएल खातेदार उनके संबंधित विनियामकों के द्वारा जारी संबद्ध 'अपने ग्राहक को जानिए' (केवाईसी) दिशानिर्देशों का पालन करेंगे।
4. कोई ग्राहक, किसी एक सीएसजीएल खातेदारों के पास, विशिष्ट खाता संख्या वाला, एक ही श्रेष्ठ प्रतिभूति खाता खोलने के लिए पात्र है। तदनुसार, सीएसजीएल खातेदार ग्राहक की तरफ से खाता खोलने के पूर्व उससे इस संबंध में एक घोषणा पत्र प्राप्त करें। तथापि, कोई ग्राहक निक्षेपागारों में निक्षेपागार सहभागियों (डीपी) के माध्यम से अतिरिक्त अभौतिक (डिमेट) खाता, रिज़र्व बैंक द्वारा अनुमोदित प्रयोजनों के लिए, खोल एवं रख सकता है।
5. सीएसजीएल खातेदारों के पास खातों को रखने एवं अपने ग्राहकों की तरफ से व्यापार करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) की पर्याप्त बुनियादी सुविधा होनी चाहिए और व्यवसाय निरंतरता के लिए आकस्मिक/बैंक-अप योजना भी होनी चाहिए। सूचना प्रौद्योगिकी सुविधाओं की प्रमाणित व्यावसायिकों द्वारा हर साल सूचना प्रणाली (आईएस) लेखापरीक्षा की जाएगी एवं उनके द्वारा की गई टीका-टिप्पणियों का तत्काल अनुपालन किया जाएगा।
6. सीएसजीएल खातेदार अपने ग्राहकों के साथ, एक करार निष्पादित करेंगे जिसमें वे स्पष्ट रूप से इस बात का उल्लेख करेंगे कि किन परिस्थितियों में वे ग्राहकों की तरफ से प्रतिभूतियों को स्वीकार/विमोचित करेंगे एवं निधियों को स्वीकार/ विमोचित करेंगे। साथ ही, उसमें ग्राहकों के अधिकार एवं दायित्व तथा उन्हें उपलब्ध शिकायत निवारण प्रणाली का उल्लेख भी होगा।
7. सीएसजीएल खातेदार यह सुनिश्चित करेंगे कि ग्राहकों से संबंधित व्यापार/लेनदेन, संबंधित ग्राहकों के अनुदेशों के अनुसार किये जाते हैं और वे अपने ग्राहकों से प्राप्त ऐसे अनुदेशों का उपयुक्त रिकार्ड भी रखेंगे। तदनुसार, सीएसजीएल खातेदार ग्राहकों से लिखित रूप से

सहमति प्राप्त किये बिना उनके द्वारा देय किसी भी राशि को आंशिक रूप से अथवा पूर्ण रूप से चुकाने के लिए सीएसजीएल खाते में धारित सरकारी प्रतिभूतियों का समंजन अथवा अन्यथा लेनदेन नहीं करेगा।

8. सीएसजीएल खातेदार सीएसजीएल खाते से/में सरकारी प्रतिभूतियों की आवाजाही के लिए उत्तरदायी होगा और ग्राहक या रिज़र्व बैंक द्वारा मांगे जाने पर सिस्टम सृजित ऑडिट ट्रेल प्रदान करेगा।
9. सीएसजीएल खातेदार लेनदेन की तारीख को संबंधित ग्राहकों की ओर से पूरे किये गये प्रत्येक क्रय/विक्रय लेन-देन के लिए एक सौदा पर्ची जारी/पोस्ट करेगा जिसमें आइएसआइएन, लिखत का नाम, क्रय/विक्रय की मात्रा, क्रय/विक्रय का मूल्य, सेवा प्रभार आदि ब्योरा दिया जाएगा। साथ ही, सीएसजीएल खातेदार, करार के अनुसार तथा ग्राहकों के विशेष अनुरोध पर, प्रत्येक ग्राहक को सरकारी प्रतिभूतियों का बकाया/लेनदेन ब्योरा दर्शाते हुए विवरण भेजेगा तथा ग्राहकों से शेष की पुष्टि का प्रमाणपत्र प्राप्त करेगा।
10. सीएसजीएल खातेदार ग्राहकों के निधि खाते में देय तारीख को ही ब्याज/मोचन की राशि जमा करेगा और तत्संबंधी उपयुक्त रिकार्ड सत्यापन के लिए रखेगा।
11. सीएसजीएल खातेदार, ग्राहकों की ओर से पूरे किये गये प्रत्येक लेनदेन के निपटान के लिए जिम्मेदार होगा और प्रतिभूतियों/निधियों की किसी भी कमी को सीएसजीएल खातेदार के विरुद्ध एसजीएल सौदा बाउन्सिंग के मामले के रूप में माना जाएगा। साथ ही, सीएसजीएल खातेदार ग्राहकों की ओर से कोई भी सौदा प्रस्तुत करने से पहले यह सुनिश्चित करेगा कि संबंधित ग्राहक ऐसे लेन-देन/सौदे में भाग लेने के लिए रिज़र्व बैंक के अद्यतन दिशानिर्देशों के अनुसार पात्र है।
12. सीएसजीएल खातेदारों के पास उनके बोर्ड द्वारा विधिवत अनुमोदित एक अच्छी तरह से प्रलेखित परिचालन मैनुअल होगा जिसमें ग्राहकों की ओर से उपयुक्त ढंग से व्यापार सुनिश्चित करने के लिए डीलरों/मिड-ऑफिस/बैंक-ऑफिस की भूमिकाओं/जिम्मेदारियों और परिणामी नियंत्रण और संतुलन का स्पष्ट उल्लेख होगा ताकि ऐसे अभिरक्षात्मक कारोबार से सीएसजीएल खातेदार एवं उसके ग्राहकों को होने वाली किसी भी जोखिम को कम किया जा सके।
13. सीएसजीएल खातेदार अपने सीएसजीएल खाते में बकाया शेषों का समाधान अपने पास रखी ग्राहकवार धारिता के ब्योरे की तुलना में पीडीओएनडीएस डेटा के अनुसार सुनिश्चित करेंगे। बकाया शेषों में यदि कोई असंतुलन पाया गया तो उसे पीडीओएनडीएस हेल्प डेस्क, सूचना तकनीकी विभाग(सूप्रौवि) और लोक ऋण कार्यालय, मुंबई (पीडीओ) को तत्काल सूचित किया जाएगा ताकि अगले दिनांत से पहले बकाया शेषों का समाधान सुनिश्चित किया जा सके।
14. सीएसजीएल खातेदारों को चाहिए कि वे अपने सीएसजीएल खाते के परिचालनों एवं अपने ग्राहकों के श्रेष्ठ प्रतिभूति खातों में होने वाले लेन-देनों को संगामी लेखापरीक्षकों की

परिवीक्षा के अधीन लाएं जो अन्य बातों के साथ-साथ सीएसजीएल खातों में लेन-देनों के निम्नलिखित पहलुओं की जांच कर अभिमत देंगे:

- i. ग्राहकों का खाता खोलने के लिए पूरा प्रलेखीकरण है।
 - ii. सीएसजीएल खाते में प्रत्येक लेन-देन संबंधित ग्राहक द्वारा प्राधिकृत है और खरीदी/बेची गई प्रतिभूतियों को नियत तारीख को ग्राहकों के श्रेष्ठ प्रतिभूति खाते में जमा किया गया है/नामे डाला गया है;
 - iii. ग्राहकों की ओर से किए गए प्रत्येक लेन-देन के लिए उन्हें समय पर जमा/नामे सूचनाएं जारी की गई है।
 - iv. सीएसजीएल खाते में बकाया शेष का ग्राहक-वार धारिता ब्यौरे के साथ दैनिक समाधान किया गया है।
 - v. ग्राहकों से छमाही आधार पर शेष की पुष्टि का प्रमाण-पत्र प्राप्त किया गया है।
 - vi. ग्राहकों के निधि खाते में नियत तारीख को ब्याज/मोचन आय को जमा किया जाता है और
 - vii. रिज़र्व बैंक के अद्यतन दिशानिर्देशों के अनुसार ग्राहक सौदा/लेन-देन करने के लिए पात्र है और सौदे का मूल्य प्रचलित बाजार दरों के अनुरूप हैं, इन बातों को सुनिश्चित करना।
15. सीएसजीएल खातेदार सूचना प्रणाली लेखापरीक्षा रिपोर्ट एवं सीएसजीएल खाते से संबंधित संगामी लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट बोर्ड की लेखापरीक्षा समिति को तिमाही आधार पर या इससे कम अवधि के अंतरालों में प्रस्तुत करेंगे। सीएसजीएल खातेदार इसकी पुष्टि करते हुए कि लेखा परीक्षा संबंधी टीका-टिप्पणियों के अनुपालन और उनके द्वारा किये गये दैनिक समाशोधन कार्य का ब्यौरा बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, एक तिमाही प्रमाण पत्र रिज़र्व बैंक के संबंधित विनियामक विभाग को प्रस्तुत करें और ऐसे रिकार्ड को रिज़र्व बैंक के निरीक्षण दल को अवलोकनार्थ उपलब्ध कराएं। तथापि, एनएसडीएल, सीडीएसएल, एसएचसीआईएल और अन्य ऐसी संस्थाओं के मामले में जिनका विनियमन रिज़र्व बैंक द्वारा नहीं किया जाता है, अनुपालन प्रमाण-पत्र पीडीओ, मुंबई को प्रस्तुत किया जाए।
16. सीएसजीएल खातेदार अनुबंध-1 के अनुसार अपने ग्राहकों के बीच एवं सीएसजीएल खातेदारों और ग्राहक के बीच किए गए लेन-देनों का विवरण देते हुए साप्ताहिक आधार पर मुख्य महाप्रबंधक, भारतीय रिज़र्व बैंक, वित्तीय बाजार विभाग, केंद्रीय कार्यालय, 23वीं मंजिल, फोर्ट, मुंबई-400001 (ई-मेल आई डी: cgmfmfd@rbi.org.in) को एक इलैक्ट्रॉनिक विवरण प्रस्तुत करेंगे। इसके अलावा, सीएसजीएल खातेदार उन्हें ग्राहकों के खातों में हुए ऐसे समस्त लेन-देनों को शामिल करते हुए एक 'अपवाद रिपोर्ट' को प्रस्तुत करेगा, जो बाज़ार दरों से अलग दरों पर अर्थात् किसी भी दिशा में तीन मानक

व्यतिक्रमों से अधिक दरों पर किये गये हैं। इस प्रकार की सूचना को जनरेट करने के लिए यदि पहले ही सक्षम सिस्टम विकसित नहीं किया गया है तो ऐसा किया जाए। रिज़र्व बैंक समय-समय पर निर्धारित अंतराल और माध्यम से कोई भी लेनदेन स्तर की सूचना को मांग सकता है।

17. सीएसजीएल खातेदार अनुबंध II और III के अनुसार इलेक्ट्रानिक रूप से मुख्य महाप्रबंधक, भारतीय रिज़र्व बैंक, आंतरिक ऋण प्रबंध विभाग, केंद्रीय कार्यालय, 23 वीं मंजिल, फोर्ट, मुंबई-400001 (ई-मेल आई डी : cgmidmd@rbi.org.in) को तिमाही आधार पर 31 मार्च, 30 जून, 30 सितम्बर और 31 दिसम्बर को यथा विद्यमान ग्राहक-वार धारिता विवरण अगली तिमाही के पहले सप्ताह तक प्रस्तुत करेगा।
18. ऐसे बैंक जो सीएसजीएल खातेदार हैं, अपने ही निवेशों एवं अपने ग्राहकों (दलालों सहित) की ओर से किये गये निवेशों के संबंध में हर साल 31 मार्च तथा 30 सितंबर की स्थिति के अनुसार रिज़र्व बैंक के बैंकिंग पर्यवेक्षण विभाग/शहरी बैंक विभाग/ग्रामीण आयोजना और ऋण विभाग, जो भी लागू हो, के संबंधित केंद्रीय/क्षेत्रीय कार्यालयों को अर्धवार्षिक समीक्षा रिपोर्ट की प्रतियां प्रस्तुत करेंगे। प्राथमिक व्यापारी 31 मार्च तथा 30 सितंबर की स्थिति के अनुसार अपनी अर्धवार्षिक समीक्षा रिपोर्ट आंतरिक ऋण प्रबंध विभाग, मुंबई को प्रस्तुत करेंगे।
19. एक सीएसजीएल खाते से दूसरे एसजीएल/सीएसजीएल खाते में सरकारी प्रतिभूतियों के मूल्य मुक्त अंतरण (वीएफटी) की अनुमति रिज़र्व बैंक द्वारा मामला-दर-मामले के आधार पर निक्षेपगारों के साथ स्वयं के डिमेट खाते में अंतरण अथवा मार्जिन अपेक्षा संबंधी प्रतिभूतियों के अंतरण अथवा भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड के संपाश्वीकृत उधार और ऋणदायी परिचालनों अथवा समय समय पर रिज़र्व बैंक द्वारा यथा अनुमोदित अन्य किसी प्रयोजनों के लिए दी जा सकती है। साथ ही, यदि कोई श्रेष्ठ प्रतिभूति खातेदार, किसी सीएसजीएल खातेदार के पास रखे अपने खाते को बंद करके, दूसरे सीएसजीएल खातेदार के पास एक नया श्रेष्ठ प्रतिभूति खाता खोलना चाहता है, तो श्रेष्ठ प्रतिभूति खातेदार, निम्नलिखित प्रलेखों को प्रस्तुत करते हुए, एक सीएसजीएल खातेदार से दूसरे सीएसजीएल खातेदार को अपनी प्रतिभूतियों के ऐसे मूल्य मुक्त अंतरण के लिए, लोक ऋण कार्यालय, मुंबई के अनुमोदन के लिए अनुरोध कर सकता है:
 - i. इस आशय का अनुरोध-पत्र कि उनके वर्तमान सीएसजीएल खातेदार के पास रखे सरकारी प्रतिभूतियों के समस्त शेष को, मूल्य मुक्त आधार पर, नये सीएसजीएल खातेदार को अंतरित किया जाए। इसके साथ एक सीएसजीएल खाते से दूसरे सीएसजीएल खाते में, प्रतिभूतियों के अंतरण का अनुमोदन देते हुए, श्रेष्ठ प्रतिभूति खातेदार (कंपनी के मामले में) के निदेशक बोर्ड द्वारा पारित संकल्प की प्रतिलिपि संलग्न की जानी चाहिए। इस बोर्ड द्वारा पारित संकल्प में, विशेष तौर पर इस बात का उल्लेख होना चाहिए कि नए गिल्ट खाते में सरकारी प्रतिभूतियों के स्थानांतरण के पश्चात, वर्तमान गिल्ट खाते को बंद कर दिया जाएगा।

- ii. अंतरणकर्ता/अंतरिती सीएसजीएल खातेदार से ऐसी प्रतिभूतियों के जमा/नामे हेतु प्राप्त अनापत्ति पत्र, और
- iii. अंतरणकर्ता और अंतरिती द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित एसजीएल अंतरण प्रपत्र इस बात का उल्लेख करते हुए एक घोषणा पत्र के साथ कि यह लेन देन एक ही श्रेष्ठ प्रतिभूति खातेदार के एक खाते से दूसरे खाते में प्रतिभूतियों के अंतरण के लिए है और इसमें कोई वित्तीय प्रतिफल शामिल नहीं है।

20. संबद्ध संस्था द्वारा सीएसजीएल सुविधा का किसी भी प्रकार का दुरुपयोग सरकारी प्रतिभूति अधिनियम, 2006 (2006 का 38) की धारा 27 के अंतर्गत इस प्रकार के खाते को धारण करने के लिए अपात्र घोषित करने के अतिरिक्त इस अधिनियम की धारा 30 के प्रावधानों के अंतर्गत दंडनीय होगा।

21. यह निर्देश रिज़र्व बैंक द्वारा जारी अधिसूचना सं. 237 दिनांक 4 दिसंबर, 2009 (भारत का राजपत्र - असाधारण - भाग III - खंड 4 में प्रकाशित) के द्वारा जारी निर्देशों के अधिक्रमण में जारी किए जा रहे हैं।

बी. महापात्रा, कार्यपालक निदेशक

[विज्ञापन III/4/38/11/असा.]

अनुबंध - 1

[illegible]

अनुबंध - II

----- को समाप्त तिमाही के अनुसार श्रेष्ठ प्रतिभूति खातों में धारित भारत सरकार की प्रतिभूतियों के स्वामित्व का स्वरूप दर्शानेवाला विवरण						
सीएसजीएल खातेदार का नाम:						
सीएसजीएल खाता संख्या :						
क्र. सं.	निवेशक समूह	खातों की संख्या	धारित प्रतिभूतियों की राशि (अंकित मूल्य लाख ₹ में)			कुल धारित [अंकित मूल्य लाख ₹ में] (4)+(5)+(6)
			राज्य सरकार की प्रतिभूतियां	खज़ाना बिल	केंद्र सरकार की प्रतिभूतियां	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1	वाणिज्य बैंक					
2	राज्य/जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक					
3	शहरी सहकारी बैंक					
4	पारस्परिक निधियां					
5	बीमा कंपनियां					
6	वित्तीय संस्थाएं					
7	कंपनियां					
8	हिंदू अविभक्त परिवार/व्यक्ति					
9	एफआईआई					
10	भविष्य निधियां					
11	अन्य					
जोड़						

अनुबंध - III

को समाप्त तिमाही के अनुसार श्रेष्ठ प्रतिभूति खातों में धारित भारत सरकार द्वारा जारी विशेष प्रतिभूतियों के स्वामित्व का स्वरूप दर्शानेवाला विवरण				
सीएसजीएल खातेदार का नाम:				
सीएसजीएल खाता संख्या:				
क्र.सं.	श्रेष्ठ प्रतिभूति खाता धारक का नाम	विशेष प्रतिभूतियों का प्रकार (तेल/उर्वरक/एफसीआई आदि)	लिखत का नाम (आईएसआईएन)	राशि (अंकित मूल्य लाख ₹ में)
जोड़ :				

NOTIFICATION

Mumbai, the 26th August, 2011

Constituents' Subsidiary General Ledger Account : Eligibility Criteria and Operational Guidelines

No. DGBA.C.DD.H/1369/11.22.001/2011-12.—In exercise of the powers conferred by Section 4 of the Government Securities Act, 2006 (38 of 2006), the Reserve Bank of India (the Bank) hereby specifies the conditions applicable henceforth for opening and maintenance of a Constituents' Subsidiary General Ledger (CSGL) account, as also the records to be maintained and procedures to be adopted by the CSGL account holders for safeguarding the interests of their constituents.

I. Eligibility Criteria:

A. The entities mentioned below are eligible to open and maintain a CSGL account with the Bank on behalf of their constituents, i.e., Gilt Account Holders (GAHs):

1) (a) A licensed bank. In case of State Co-operative Banks (StCBs), the additional requirement of being a scheduled bank with net worth of ₹100.00 crore or more will also be applicable.

(b) A Primary Dealer

Provided that the above entities obtain a no-objection certificate from the concerned regulatory department of the Bank, to the effect that they meet the eligibility criteria (as applicable) and that the Bank has no regulatory/supervisory discomfort.

3363 GI/11-4

B. In addition, the entities mentioned below can open and maintain a CSGL account with the Bank.

- (a) National Securities Depository Limited (NSDL).
- (b) Central Depository Services (India) Limited (CDSL).
- (c) Clearing Corporation of India Limited (CCIL) or other Clearing Corporations as may be approved by the Bank.
- (d) Stock Holding Corporation of India Limited (SHCIL).
- (e) National Bank for Agriculture and Rural Development (NABARD).
- (f) Such other entities as may be approved by the Bank from time to time.

II. Operational Guidelines to be complied with by the CSGL Account holders:

1. An eligible entity shall open and maintain only one CSGL account, unless specifically allowed by the Bank to open an additional CSGL account.
2. The CSGL account holders shall ensure that the constituents for whom the gilt accounts are opened/maintained satisfy the eligibility conditions for holding Government securities in terms of the General Loan Notifications as also the specific Loan Notifications issued by the Government.
3. The CSGL account holders, who are regulated by the Bank, shall follow guidelines on 'Know Your Customer' (KYC) issued by the Department of Banking Operations and Development/Urban Banks Department/Rural Planning and Credit Department of the Bank, as applicable from time to time, in respect of their GAHs. Other CSGL account holders shall follow the relevant guidelines on KYC issued by their respective regulators.
4. A constituent is entitled to open only one gilt account having a unique account number with any one of the CSGL account holders. Accordingly, CSGL account holders may obtain a declaration towards the same before opening an account on behalf of the constituent. A constituent may, however, additionally open and maintain a demat account with the Depositories through Depository Participants (DPs) for purposes as may be approved by the Bank.
5. The CSGL account holders must have appropriate Information Technology (IT) infrastructure to maintain accounts and put deals on behalf of their constituents with adequate contingency/back-up plan to ensure business continuity. The IT infrastructure shall be subject to Information System (IS) audit by certified professionals every year and any observations made by them shall be immediately complied with.
6. The CSGL account holder shall execute with their constituents an agreement, which shall categorically mention the circumstances under which they will accept/release securities and

accept/release funds on behalf of the constituents, as also the rights and obligations of the constituents, and the grievance redressal mechanism available to the constituents.

7. The CSGL account holders shall ensure that deals/transactions pertaining to constituents are put through according to the instructions of the concerned constituents and maintain appropriate record of such instructions received from their constituents. Accordingly, the CSGL account holder shall refrain from setting off Government securities in the CSGL account or otherwise deal with them to extinguish partly or fully any amounts due to it from the constituents without written consent from the constituents.
8. The CSGL account holder shall be accountable/responsible for the movement of Government securities from/to the CSGL account and shall provide system generated audit trail, whenever called for by the constituent or the Bank.
9. The CSGL account holders shall issue/post a deal slip for each buy/sell transaction put through on behalf of the concerned constituents on the transaction date itself mentioning therein the details of the deal, such as, ISIN, instrument nomenclature, buy/sell quantity, buy/sell price, service charges, etc. Further, the CSGL account holder shall send statements mentioning the outstanding/transaction details of Government securities to each constituent as per the agreement as also at the specific request of the constituents, and obtain a balance confirmation certificate from the constituents.
10. The CSGL account holder shall credit the constituents' fund account with the due amount of interest/redemption proceeds on due date itself and maintain appropriate record of the same for verification.
11. The CSGL account holder shall be responsible for settlement of each deal put through on behalf of the constituents and any shortfall in securities/funds will be treated as a case of SGL deal bouncing against the CSGL account holder. Further, the CSGL account holder, before submitting any deals on behalf of the constituents, shall ensure that the particular constituent is eligible, as per the latest guidelines issued by the Bank, for entering into such transactions/deals.
12. The CSGL account holders shall have a well documented operational manual, duly approved by their Board, highlighting the roles/responsibilities of the dealers/mid-office/back-office and the resultant checks and balances to ensure proper dealings on behalf of the constituents so as to mitigate any risk arising out of such custodial business to the CSGL account holder as also to the constituents.
13. The CSGL account holders shall ensure daily reconciliation of outstanding balances in their CSGL account as per the PDO-NDS data vis-à-vis the constituent-wise holding details maintained by them. Any mismatch in the outstanding balances shall be immediately brought

- to the notice of PDO-NDS Helpdesk, Department of Information Technology (DIT) and Public Debt Office (PDO), Mumbai to ensure reconciliation of balances before next day-end.
14. The CSGL account holders must put the operations of their CSGL account, as also the transactions in the gilt accounts of their constituents, under the purview of their Concurrent Auditors, who shall verify and comment, inter alia, upon the following aspects of CSGL account transactions:
- i) Completion of documents for opening the constituent account;
 - ii) Authorisation of each transaction in the CSGL account by the concerned constituent and that the securities bought/sold have been credited/debited to the constituents' gilt account on due date;
 - iii) Issuance of debit/credit advices in time to the constituents for each transaction put through on their behalf;
 - iv) Reconciliation of the outstanding balances in the CSGL account vis-à-vis the constituent-wise holding details on a daily basis;
 - v) Receipt of balance confirmation certificates from the constituents on half-yearly basis;
 - vi) Crediting of interest/Redemption proceeds to the constituents' fund account on due date; and
 - vii) Ensuring the eligibility of the constituent, as per latest guidelines issued by the Bank, to put through the deal/transaction and that the deal price is in line with the prevailing market rates.
15. The CSGL account holders shall put up the information system audit report as also the concurrent auditor's report in respect of CSGL account to the Audit Committee of the Board on a quarterly basis or at more frequent intervals. The CSGL account holder may submit a quarterly certificate, confirming that the compliance of the audit observations, as also daily reconciliation exercise carried out by them, has been placed before the Audit Committee of the Board, to the concerned regulatory department of the Bank and make available such records to the inspection team of the Bank for their perusal. However, in case of entities not regulated by the Bank, such as NSDL, CDSL, SHCIL and others, the compliance certificate may be submitted to PDO, Mumbai.
16. The CSGL account holders shall submit an electronic statement, as per Annex-I, mentioning details of transactions effected between its constituents, as also between the CSGL account holders and the constituent, to the Chief General Manager, Reserve Bank of India, Financial Markets Department, Central Office Building, 23rd Floor, Fort, Mumbai - 400001 (email id:

cgmfmnd@rbi.org.in) on a weekly basis. In addition, the CSGL account holder shall also submit an 'exception report' incorporating all transactions involving constituent accounts carried out at off market rates, i.e., rates beyond three standard deviations either way, to them. System capability to generate such information may be developed, if not already done. The Bank may call for any transaction level information at a frequency and through a mode as may be decided from time to time.

17. The CSGL account holder shall submit constituent-wise holding details electronically, as per Annex-II & III, to the Chief General Manager, Reserve Bank of India, Internal Debt Management Department, Central Office Building, 23rd Floor, Fort, Mumbai - 400001 (email id: cgmfmnd@rbi.org.in) on a quarterly basis as on March 31, June 30, September 30 & December 31, by the 1st week of next quarter.
18. The banks, which are CSGL account holders, shall furnish copies of half-yearly review reports, as on March 31 and September 30 each year, on their own investments, as also, on behalf of other constituents, including brokers, to the respective Central/Regional Offices of the Department of Banking Supervision/Urban Banks Department/Rural Planning & Credit Department of the Bank, as the case may be. Primary Dealers shall furnish their half yearly review reports as on March 31 and September 30 to the Internal Debt Management Department of the Bank.
19. Value Free Transfer (VFT) of Government securities from one CSGL account to another SGL/CSGL account may be allowed by the Bank, on a case to case basis, towards transfer of securities to own demat account with the depositories or transfer of securities pertaining to margin requirement or the Collateralised Borrowing & Lending Operations (CBLO) of the CCIL or for any other purpose as may be approved by the Bank from time to time. Further, in case a GAH decides to close his gilt account with one CSGL account holder and open a new gilt account with another CSGL account holder, then the GAH may seek approval from the PDO, Mumbai for such value free transfer of its securities from one CSGL account holder to another CSGL account holder by submitting the following documents:
 - i) A request letter to the effect that their entire Government securities balance with their existing CSGL account holder may be transferred to the new CSGL account holder on value free basis, together with a copy of the Resolution passed by the Board of Directors of the GAH (in case of a company), approving the transfer of securities from one CSGL account to another CSGL account. The Board Resolution should, inter alia, specifically mention that, after the transfer of the Government securities to the new Gilt account, the existing Gilt account will be closed.
 - ii) 'No Objection' letter from the transferor/transferee CSGL account holder towards debit/credit of such securities; and

8363 GI/11-5

- iii) SGL transfer form duly signed by the transferor and the transferee along with a declaration stating that the transaction is for transfer of securities from one account to another of the same GAH and it does not involve any financial consideration.
20. Any misuse of the CSDL facility by the entity concerned, will make the entity liable to be debarred from holding of such account as mentioned in Section 27 of the Government Securities Act, 2006 (38 of 2006), in addition to inviting the penalties as provided in Section 30 of the Act *ibid*.
21. These guidelines are issued in supersession of the earlier guidelines issued by the Bank vide Notification No. 237 dated December 04, 2009 (published in The Gazette of India – Extraordinary – Part III – Section 4).

B. MAHAPATRA, Executive Director
[ADVT III/4/38/11/Exty.]

Annex - I

Transactions undertaken between the CSDL Account holders and the Constituents and among the Constituents								
Sr. No.	Date of Transaction	ISIN Number	Instrument Nomenclature	Buyer Name	Seller Name	Amount (Face value)	Price	Yield

Annex - II

**Statement on Ownership Pattern of Government securities
held in the Gilt Accounts as on Quarter ended _____**

Name of CSGL account holder:

CSGL account number:

Sr. No	Investor Group	No. of accounts	Amount of Securities held (Face Value in lakhs of ₹)			Total Holding (Face Value in lakhs of ₹) [4] + [5] + [6]
			State Government Securities	T- Bills	Central Government Securities	
[1]	[2]	[3]	[4]	[5]	[6]	[7]
1	Commercial Banks					
2	State / Dist. Central Co-op Banks					
3	Urban Co-operative Banks					
4	Mutual Funds					
5	Insurance Companies					
6	Financial Institutions					
7	Corporates					
8	HUF / Individuals					
9	FIs					
10	Provident Funds					
11	Others					
Total						

Annex - III

Statement on Ownership Pattern of Special Securities Issued by Government of India held in the Gilt Accounts as on Quarter ended _____				
Name of CSGL account holder:				
CSGL account number:				
Sr. No.	Name of Gilt Account Holder	Type of Special Securities (Oil/Fertilizer/FCI etc.)	Instrument Nomenclature (ISIN)	Amount (Face Value in ₹ Lakh)
Total				